

FORM No. III
फॉर्म अहकाम
(निपम 28)

अदालत उपखण्ड अधिकारी युकाग जाबडल
हरदेव नाम शर सरकार
क्रिम मुकदमा नं. 717 तारीख 2014

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही गय इतिहासका राज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तारीख में जारी हुए
17-12-14	<p>सात प्रार्थनापत्र बाद जॉन प्ररत हुआ, फजे रजिस्टर किया जाकर विपक्षीगण को सम्मान/नोटिस जारी किये जावें। पत्रावली दिनांक... को पेश हो।</p> <p>सहायक कलक्टर एवं उपखण्ड अधिकारी माण्डल</p>	
34-15	<p>वकील वकील को अशोधित अनुमान व फसवार वकालत हेतु प्रार्थना पत्र पेश किया गया/ प्रार्थना पत्र बरकरार हेतु पत्रावली दिनांक 23-4-15 को पेश हो।</p>	
23-4-15	<p>वकील वकील को अशोधित अनुमान व फसवार वकालत हेतु प्रार्थना पत्र पेश किया गया/ प्रार्थना पत्र बरकरार हेतु पत्रावली दिनांक 7-5-15 को पेश हो। फसवार सरकार को वकालत प्राप्त।</p>	
14-7-15	<p>पत्रावली व मुन्नाम लोक अदालत के मध्य लिखित पेश हुई। एकरा में जादीगणों ने प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 136 L.R. Act पेश कर कलक्टर अजुम्हार जादीगणों को शर्तों द्वारा अं. नं. 449/16) शर्तों 0.42 ई. वं. की तरफ से अजुम्हार को अं. नं. 452/16) शर्तों 1.00 ई. वं.</p>	

सारी
हुस

के स्थान पर करने का अनुतोष चाहा गया है।

पत्रों में ताहसीलदार माण्डल का जवाब प्राप्त हुआ जिसमें बताया गया कि वादी प्रतिवादी की आराजियात के रकबे में बहुत अन्तर है, प्रस्तुत आराजियात की मोके पर कब्जा अनुसार वस्तु रिमति का नजरी मानाचिन परतारी जिन्दुवन से प्राप्त कर अंलग्न पनावली विप्रा गया (उपरोक्त सम्पुल वस्तु रिमति के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि पार्थी द्वारा चाली गई खमीम करने पर प्रतिवादी वादी के अलावा अन्य शवातेदार श्रीमती मगनी पत्नी रुधनाथ गुर्जर एवं कसु पिता रामलाल व रुपी पत्नी कसुगुर्जर भी सम्भावित होते हैं। पार्थी ने इन शवातेदारों को ग्राम जोरावरपुरा के आराजी नाम्बर 452/161, 449/161 को पसवार् नहीं बतलाया गया है जब कि उन्हें मुचा जाता आ वशपव, है। अतः पार्थी पत्र शवारिज विप्रा जाता है।

आज यह निर्णय मुले न्यायालय में हुनापा गया।
पनावली पंराला हुमार हे 002 नाम्बर से काम है।

(देवी सिंह)
पीपसीन अधिकारी
उपखण्ड अधिकारी एवं
पदेन सहायक कलक्टर माण्डल